ग्रेटर निगम की साधारण सभा से पहले भाजपा नेताओं का 'अंतर्कलह' उजागर

उपमहापौर, चेयरमैन और पार्षदों ने आयुक्त को ज्ञापन देकर शॉर्ट नोटिस पर मीटिंग बुलाने पर आपत्ति जताई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम की साधारण सभा की छठवीं बोर्ड बैठक 18 जनवरी को दोपहर 2 बजे मुख्यालय स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में होगी। बोर्ड मीटिंग से पहले ही भाजपा नेताओं का 'अंतर्कलह' सामने आया है। ऐसे में संभावना है कि अगर पार्षदों की नाराजगी दूर नहीं हुई तो कहीं गुरूवार को कोरम पूरा करने में दिक्कत हो जाए।

सूत्रों की मानें तो मात्र 2 दिन के शॉर्ट पीरियड (कम समय) पर बुलाई गई इस बैठक पर उपमहापौर पुनीत कर्णावट, चेयरमैन हरीश शर्मा, रश्मि सैनी, अभय पुरोहित, जितेन्द्र श्रीमाली तथा पार्षद दिनेश गौड़ और रणवीर सिंह ने आपत्ति जताई है। उन्होंने ग्रेटर निगम की आयुक्त रूकमणि रियाड़ को ज्ञापन सौंपकर इस साधारण सभा को निरस्त करने की मांग भी उठाई है। इनका कहना था कि बुधवार शाम तक अधिकांश पार्षदों को इस बारे में सूचना नहीं दी गई। नियमानुसार कम से कम 6 दिन पहले साधारण सभा के बारे में पार्षदों को सूचित करना जरूरी है, अति आवश्यक होने की स्थिति

में भी कम से कम 48 घंटे पहले सूचना देनी होती है। इन नेताओं का हस्ताक्षरित ज्ञापन भी बुधवार शाम को वायरल हुआ।

इस ज्ञापन में तमाम भाजपा नेताओं ने आयुक्त रूकमणि रियाड़ से पूछा कि 16 जनवरी को जारी हुई बैठक की सूचना में अति आवश्यक क्या था। जबकि साधारण सभा की बैठक की सूचना, स्थान और समय की जानकारी कम से कम 6 दिन में देनी जरूरी है। अति आवश्यक परिस्थितियों में भी कम से कम 48 घंटे पहले जानकारी देनी जरूरी होती है, फिर ऐसी क्या नौबत आन पड़ी कि अचानक बोर्ड मीटिंग रख दी। बुधवार 17 जनवरी को दोपहर 2 बजे तक डाक द्वारा या अन्य उचित रीति से पार्षदों को बैठक के सूचनार्थ पत्र नहीं मिला। अगर 19 जनवरी से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र के कारण यह जल्दबाजी दिखाई गई तो भी उचित नहीं है। विधानसभा सत्र के दौरान परमिशन लेकर भी बोर्ड मीटिंग बुलाई जा सकती थी, हमें पूरा भरोसा है कि सांसदों व विधायकों की हमें इजाजत मिलती।

हालांकि शाम को संवाददाता द्वारा

- आज दोपहर 2 बजे ग्रेटर निगम मुख्यालय स्थित विवेकानंद सभागार में प्रस्तावित है बैठक
- महापौर ने बोर्ड मीटिंग को विकास के लिए अहम बताया, उपमहापौर, चेयरमैन व पार्षदों ने बयानबाजी से दूरी बनाई

उपमहापौर पुनीत कर्णावट से जब इस बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा कि बुधवार शाम को 5 बजकर 20 मिनट पर मेरे कार्यालय सहायक को एक बैठक की सूचना का पत्र मिला है, अभी मैंने उसे खोलकर नहीं देखा है। कुछ पार्षदों के पास भी नगर निगम में कार्यरत सफाई कर्मचारी के जरिए बोर्ड मीटिंग की सूचना भिजवाई गई है, जो कि नियमों के विपरीत है। उन्होंने बाकी किसी मुद्दे पर टिप्पणी करने से मना कर दिया।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने इस साधारण सभा को विकास के मुद्दों पर चर्चा करने और बजट पास करने के लिए अहम बैठक बताया है। उन्होंने कहा कि पिछले 2 वर्षों से बजट सीधे राज्य सरकार से पास करवाया जा रहा था, 19 जनवरी से विधानसभा सत्र शुरू हो रहा है, ऐसे में पार्षदों के साथ वार्डों के विकास पर चर्चा करने और बजट पर उनके सुझाव जानने के लिए यह बैठक बुलाई है। डॉ. सौम्या गुर्जर का कहना है कि प्रत्येक पार्षद को फोन करके सूचना दे दी गई है, विधानसभा सत्र के बीच में अगर साधारण सभा की बैठक बुलाई जाती तो उसके लिए सांसदों व विधायकों से भी अनुमति लेने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता। बोर्ड मीटिंग में नगर निगम ग्रेटर जयपुर के संशोधित बजट अनुमान वर्ष 2023-24 और प्रस्तावित बजट अनुमान वर्ष 2024-25 की स्वीकृति और अनुमोदन पर चर्चा होनी है, जो ना सिर्फ जयपुर शहर बल्कि पार्षदों के लिए अहम होनी चाहिए। बैठक की सूचना सिर्फ कम समय पर देने की बात कहकर इसे राजनीति का विषय बनाना ठीक नहीं है।

1189 करोड़ का बजट बनाया ग्रेटर निगम ने

गत वित्तीय वर्ष 2023-24 से करीब 20 फीसदी ज्यादा है रकम

- सफाई, रोड लाइट और गाड़ियों पर बजट 28 फीसदी तक बढ़ाया, जबकि सड़क निर्माण, पब्लिक टॉयलेट बनवाने, नए पौधे लगाने, कच्ची बस्ती के विकास व गौशाला में गायों के चारे-पानी के बजट में इजाफा नहीं
- ज्ञात रहे कि पिछले 2 साल के बजट को साधारण सभा की बैठक में पेश नहीं करके आयुक्त के जरिए सीधे राज्य सरकार को भिजवाया गया था

जयपुर (कासं)। नगर निगम ग्रेटर का बजट 18 जनवरी पेश किया जाएगा। इस बार (वित्त वर्ष 2024-25) कुल 1189.42 करोड़ का बजट बैठक में रखा जाएगा, जो मौजूदा साल (वित्त वर्ष 2023-24) के मुकाबले 20 फीसदी ज्यादा है। इस बार सफाई, रोड लाइट और गाड़ियों पर बजट 28 फीसदी तक बढ़ाया है। जबकि नई सड़कों के निर्माण, नए पब्लिक टॉयलेट बनवाने, नए पौधे लगाने, कच्ची बस्ती में विकास करवाने और गौशाला में गायों के चारे-पानी के बजट में कोई इजाफा नहीं किया है।

सूत्रों की मानें तो जयपुर ग्रेटर एरिया में अगले साल सफाई पर नगर निगम करीब 375 करोड़ रुपए खर्च करेगा। वहीं, शहर में नई सड़कों के निर्माण पर इस बार 40 करोड़ रुपए, जबकि लाइट और पार्क के रखरखाव 75.28 करोड़ रुपए का प्रावधान है।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के कार्यकाल का ये चौथा बजट है। पिछले 2 साल के बजट को साधारणा सभा की बैठक में न पेश करके आयुक्त के जरिए सीधे सरकार को भिजवाए गए थे। इस बार विशेष बैठक बुलाकर मेयर ने बजट पास करने का निर्णय किया है।

अचानक से बैठक बुलाकर बजट पेश करना पार्षदों के लिए चौंकाने वाला निर्णय है। क्योंकि नियमानुसार 7 दिन पहले पार्षदों को पत्र लिखकर बजट बैठक बुलाने के लिए सूचना देनी पड़ती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ।

मेयर ने इस बार कुछ चीजों पर बजट बढ़ाया नहीं है। कुछ पर औसत से कम यानी, 10 फीसदी से भी कम बजट बढ़ाया है। हिंगोनिया गौशाला समेत अन्य जगह जहां गायों को रखा जाता है वहां मौजूदा वित्त वर्ष में गौशालाओं में गायों के चारे-पानी और दवाओं के लिए 28.01 करोड़ रुपए कर प्रावधान है, जिसे आगामी वित्त वर्ष 2024-25 में भी यथावत रखा गया है। शहर में नई सड़कें बनाने के लिए बजट में भी कोई बढ़ोतरी नहीं है। पिछले बजट में इस पर 40 करोड़ रुपए का प्रावधान था, इस बार भी इतना ही रखा है।

सड़क सीवर लाइनों के रखरखाव, कब्रिस्तान-श्मशान के विकास, पब्लिक टॉयलेट के निर्माण, फुटपाथ रिपेयर, एसटीपी प्लांट के रखरखाव समेत अन्य कई विकास कार्यों के लिए बजट भी पिछली बार की तुलना में 9 फीसदी कम कर दिया। इस बार इस मद के लिए 174.82 करोड़ रुपए का बजट रखा है, जबकि पिछले साल इसके लिए 190.49 करोड़ रुपए का प्रावधान था। शहर में सफाई करवाने पर बजट 29 फीसदी बढ़ाया है।

ये बजट पहले 264.91 करोड़ का था, जिसे आगामी साल बढ़ाकर 341 करोड़ रुपए कर दिया। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का बजट भी 12.50 फीसदी बढ़ाकर 80 से 90 करोड़ रुपए कर दिया। फायर शाखा में भी बजट 23 फीसदी बढ़ाकर 12.71 से 15.71 करोड़ रुपए किया है। केन्द्र की अमृत योजना के तहत करवाए जाने वाले विकास कार्यों के लिए 20 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 115 करोड़ रुपए किया गया है।

देवरंजनी म्यूजिक स्कूल में 'रामोत्सव'

जयपुर। देवरंजनी म्यूजिक स्कूल के संगीत साधकों की ओर से प्रस्तुत राम भजनों ने आज यहाँ जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार को राममय बना डाला। रामोत्सव में प्रभु श्री राम को समर्पित भजन, गीत और नृत्य नाटिकाओं ने श्रोताओं को पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति रस में डुबोये रखा।

प्रारंभ में रामकृष्ण मिशन, जयपुर के सचिव स्वामी देव प्रभानंद, वरिष्ठ साहित्यकार और दूरदर्शन, जयपुर के पूर्व निदेशक नंद भारद्वाज, प्रसिद्ध भजन गायक पद्मश्री मुन्ना मास्टर, प्रसिद्ध तबलावादक उस्ताद निसार हुसैन और जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के दर्शन संकाय के विभागाध्यक्ष श्री कोसेलेन्द्र दास शास्त्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर रामोत्सव का शुभारंभ किया। देवरंजनी म्यूजिक स्कूल की निदेशक डॉ. सरिता द्विवेदी ने सभी अथितियों को सम्मानित किया। प्रभु राम की आरती से शुरू हुए कार्यक्रम में एक के बाद प्रस्तुत भजनों में भगवान राम के विराट व्यक्तित्व और आदर्शों का गुण-गान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पद्मश्री रमजान खान उर्फ़ मुन्ना मास्टर एवं उस्ताद निसार हुसैन की भजन प्रस्तुति रही। कथक साधिकाओं की ओर से पेश राम जन्म उल्लास और सीता राम के प्रथम मिलन पर आधारित नृत्य नाटिकाओं को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में जनम लिए रघुरैय्या, राजा दशरथ जी के घरवा, ठुमक चलत, रामचन्द्राय जनक राजा मनोहराय, राम भजो आराम तजो, जन जन क़े प्रभु राम, रण जीती राम राउ आये, जैसे सूरज की गर्मी से जलते, मेरी चौखट पे चल के आज चार धाम आये हैं, नाम रामायण, हमारे साथ श्री रघुनाथ तो किस बात की चिन्ता जैसे भजनों की प्रस्तुति हुई।

अजमेर रोड पर सांझरिया में बन रही सीमेंट सड़क में गड़बड़ी!

जी शेड्यूल में आर.एम.सी., मौके पर ट्रेक्टर ट्रॉली में रोडी-कंक्रीट का मसाला बनाकर डाल रहा ठेकेदार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अजमेर रोड पर सांझरिया में बनाई जा रही सीमेंट सड़क में जमकर गड़बड़ी की जा रही है। मुख्य सड़क पर खामियां छोड़ी जा रही है और गलियों में लोगों के घरों के बाहर तक सड़क बनाई जा रही है।

सूत्रों की मानें तो जोन 12 में सांझरिया में सीमेंट सड़क बनाने का काम सत्यम कंस्ट्रक्शन ने ले रखा है। इस फर्म ने काम में इतनी खामियां छोड़ रखी है, जिससे सड़क छह महीने भी चल जाए तो काफी होगी। सड़क बनाने के लिए पहले जीएसबी, पीसीसी होना जरूरी है उसके बाद सीसी (सीमेंट सड़क) बनाई जानी चाहिए। ठेकेदार ने यहां पर सड़क बनाने के लिए जी शेड्यूल में रोड मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) से काम करने की स्वीकृति ले रखी है, जबकि मौके पर मिनी प्लांट लगा कर ट्रेक्टर ट्रॉली में मसाला डालकर रोड बनाई जा रही है। सड़क में कहीं पर जीएसबी तो कहीं पीसीसी नहीं करके ठेकेदार को फायदा पहुंचाया जा रहा है। जेडीए के इंजीनियर भी मौके पर जाकर चैक कर आए और उन्होंने भी सड़क की गुणवत्ता सही होने का सर्टिफिकेट दे दिया।

सूत्रों का कहना है कि जेडीए के जोन 12 के सहायक अभियंता को इस काम का बिल पास करने की इतनी जल्दी है कि उन्होंने काम भी पूरा नहीं कराया और लगभग 70 लाख रुपए का बिल भी भुगतान के लिए मंजूर कर दिया। मौके पर कई जगह पर सीसी की मोटाई भी कम है। इससे सड़क छह महीने भी चलना मुश्किल है।

सूत्रों का कहना है कि जेडीए के

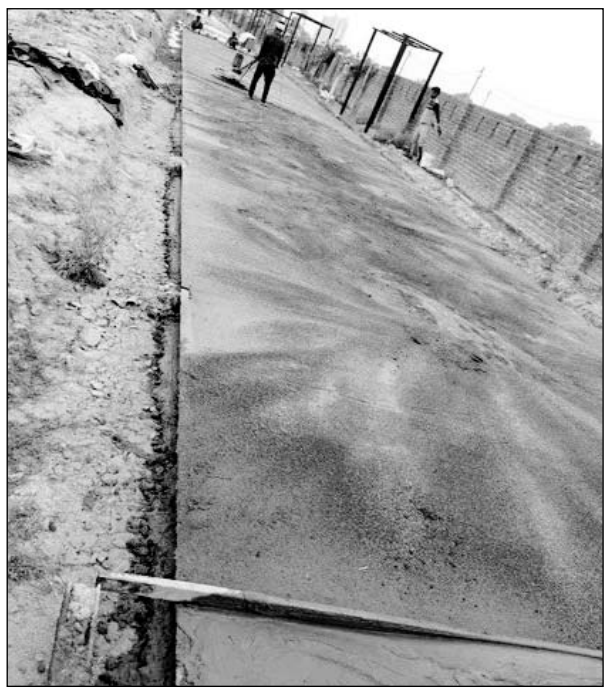

- सड़क में कहीं जी.एस.बी. नहीं तो कहीं पर पी.सी.सी. नहीं करके ठेकेदार को फायदा पहुंचाने की जुगत
- मजेदार बात यह है कि सड़क निर्माण पूरा होने से पहले ही इंजीनियर्स ने 70 लाख का बिल भी मंजूर कर दिया

अधिकारियों ने ठेकेदार को फायदा पहुंचाने के लिए सीमेंट सड़क, मुख्य सड़क को छोड़कर गलियों तक में लोगों के घरों तक बना दी गई। इसके लिए हालांकि बजट में ही स्वीकृति ले ली गई थी जबकि जोन के इंजीनियर्स यह बहाना लगा रहे है कि लोग उन्हें घरों तक काम कराने का दबाव बना रहे है जबकि असली फायदा ठेकेदार को हो रहा है। उसका बजट बढ़कर दोगुना हो गया है।

इससे पहले कुंडा में जयपुर हैरिटेज स्कूल में भी खामियां मिलने पर स्थानीय पार्षद और उनके प्रतिनिधियों ने मौके पर घटिया निर्माण कार्य होने पर विरोध किया था, इसके बाद अधिशाषी अभियंता को मौके पर जाकर मामला शांत कराना पड़ा था।

पी.एच.डी. चैम्बर राजस्थान चैप्टर के सह अध्यक्ष मनीष गुप्ता की अध्यक्षता में पी.एच.डी. चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधि मण्डल ने कृषि एवं बागवानी, ग्रामीण विकास विभाग मंत्री किरोड़ीलाल मीणा से मुलाकात कर उनका अभिनंदन किया। गुप्ता ने कैबिनेट मंत्री को पी.एच.डी. चैम्बर के कार्यकलापों के बारे में जानकारी दी । मंत्री किरोड़ीलाल से चर्चा के दौरान पी.एच.डी. चैम्बर के प्रतिनिधिमण्डल में श्रीविकास जैन और अखिलेश जैन उपस्थित रहे।

'साइबर सुरक्षा की दृष्टि से सकारात्मक कदम उठाएंगे'

जयपुर में राजस्थान पुलिस साइबर क्राइम अवेयरनेस मिशन के तहत हेकाथॉन 1.0 का आयोजन

जयपुर। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा है कि राज्य सरकार की ओर से प्रदेश में साइबर सुरक्षा की दृष्टि से सकारात्मक कदम उठाये जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश को अपराध मुक्त बनाने के साथ ही एक सुनहरे राजस्थान का निर्माण किया जायेगा।

बेढ़म ने बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राजस्थान पुलिस साइबर क्राइम अवेयरनेस मिशन के तहत आयोजित राजस्थान पुलिस हेकाथॉन 1.0 के उदघाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मेवात क्षेत्र में बढ़े अपराधों पर रोक लगाने के लिये सार्थक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध पर लगाम कसने में हेकाथॉन मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि मैं जिस जिले से आता हू, वह अपराध में टॉप है। यहां पांचवीं फेल व्यक्ति पढ़े लिखे लोगों को चीट कर रहा है। उन्होंने सभी जिलों में साइबर विशेषज्ञ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में टीम गठित करने का सुझाव दिया।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के सीईओ राजेश कुमार ने बताया कि यह संस्थान देश में साइबर अपराध से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय की एक पहल है। राजेश कुमार ने कहा कि साइबर अपराध से निपटने के लिए

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राजस्थान पुलिस साइबर क्राइम अवेयरनेस मिशन के तहत आयोजित राजस्थान पुलिस हेकाथॉन 1.0 के उद्घाटन सत्र में शरीक हुए।

सभी स्तरों पर समन्वय की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र देश में साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए एक नोडल बिंदु के रूप में कार्य कर रहा है। साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों को आसानी से दर्ज करने और साइबर अपराध के रुझान और पैटर्न की पहचान करने की सुविधा प्रदान करना भी इस संस्था का उद्देश्य है।

एसीएस गृह आनन्द कुमार ने कहा कि साइबर अपराध निरन्तर बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ते साइबर अपराध को रोकना एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि इन्हें नियंत्रित करने के लिए निरंतर नई तकनीक का उपयोग करना आवश्यक है। पुलिस महानिदेशक यू आर साहू ने कहा कि राजस्थान पुलिस हेकाथॉन का शुभारंभ कर साइबर सुरक्षा की दृष्टि से अभिनव शुरुआत की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस 2 दिवसीय हैकाथॉन 1.0 में विभिन्न शैक्षिणक संस्थानों, उद्योगों,

- 'मेवात क्षेत्र में बढ़े अपराधों पर रोक लगाने के लिये सार्थक प्रयासों की आवश्यकता'

रिसर्च लैबों और स्टार्टअप्स के 1665 प्रतिभागियों द्वारा पंजीयन करवाया गया है। इनमें लगभग 300 टीमें भाग लेगी। यह टीमें 12 साइबर सुरक्षा से संबंधित समस्याओं का समाधान निकालने के लिए 36 घंटे तक निरंतर काम करेंगी। हैकाथॉन के विजेताओं को विभिन्न श्रेणियां में कुल 20 लाख रु के नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान करने के साथ ही इच्छुक टीमों को राजस्थान पुलिस के इंटर्नशिप प्रोग्राम में शामिल किया जाएगा।

डीजीपी साइबर सुरक्षा डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने हेकाथॉन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध पुलिस के समक्ष निरन्तर चुनौती प्रस्तुत कर रहे हैं। पुलिस साइबर अपराध की रोकथाम के लिए तत्परता से कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर डीजीपी कानून व्यवस्था राजीव शर्मा, डीजीपी राजेश निर्वाण, डीजीपी एसीबी हेमन्त प्रियदर्शी, एडीजी मुख्यालय संजय अग्रवाल, सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रायोजक, विशेषज्ञ और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस अपना तंत्र व प्रशिक्षण से टेक्नोलॉजी अपग्रेड करेगी : मेहरड़ा

जयपुर। पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम, एससीआरबी, तकनीकी सेवाएं डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि साइबर क्रिमिनल समय के साथ अपग्रेड होते जा रहे हैं, पुलिस भी अपना तंत्र और ट्रेनिंग मजबूत कर टेक्नोलॉजी को अपग्रेड करेगी। डीजी डॉ. मेहरड़ा ने कहा कि राजस्थान में हैकाथॉन आयोजित के मुख्यत: दो मकसद थे। पहला साइबर क्राइम में अवेयरनेस और दूसरा पुलिस की समस्याओं का टेक्नोलॉजिकल सॉल्यूशन। इसके लिए साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और युवाओं को एक मंच प्रदान किया गया। मेहरड़ा ने बताया कि साइबर क्राइम से बचाव के लिए जागरूकता बहुत जरूरी है। आज लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, लैपटॉप के मार्फत साइबर स्पेस से जुड़ा है। डिजिटल पेमेंट्स की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, इससे भी साइबर अपराधियों को मौका मिल गया। आमजन ही नही, पढ़े लिखे लोगों को भी साइबर क्रिमिनल बातों में फंसा फाइनेंशियल फ्रॉड के शिकार बना लेते हैं। जनता को जागरूक व सावचेत करना हैथाथॉन का पहला मकसद है।

सार-समाचार

300 बच्चों को जूते और हूडीज बांटे

जयपुर, (का.सं.)। प्रिज़न एड एंड एक्शन रिसर्च (पार) द्वारा बुधवार को सांगानेर खुली जेल में बच्चों के लिए डोनेशन ड्राइव का आयोजन किया गया। कोलकाता स्थित संगठन पार की यह पहल जेल में अपने परिवारों के साथ रहने वाले बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य की देखभाल करने पर केंद्रित है। अभियान के तहत, 2 से 13 वर्ष की आयु के 300 से अधिक बच्चों को 300 हूडीज, 600 स्कूल के जूते और स्नीकर्स वितरित किए गए। ये बच्चे खुली जेल के अंदर स्थित प्राथमिक विद्यालय या आंगनवाड़ी में पढ़ते हैं। पार की संस्थापक, स्मिता चक्रवर्ती ने कहा कि, पार पूरे देश में खुली जेल के सांगानेर मॉडल के विस्तार का समर्थन करता है। स्मिता ने कहा, हमारा संगठन भले ही कोलकाता में स्थित है, लेकिन हमारी टीम हर वर्ष इस समय में सांगानेर जेल का वार्षिक दौरा करती है और बच्चों को आवश्यक चीजें प्रदान करती है। हम यहां स्थित स्कूल और आंगनवाड़ी का विशेष रूप से सहयोग करते हैं। सांगानेर खुली जेल भारत की सबसे बड़ी खुली जेल है और इसमें 450 कैदी अपने परिवार के साथ रहते हैं। जेल में उन बच्चों के लिए आंगनवाड़ी और एक प्राथमिक विद्यालय भी हैं, जो वहां अपने माता-पिता के साथ रहते हैं।

जयपुर में बनाये जा रहे हैं लाखों दीपक

जयपुर। बुधवार को रामलला के मंदिर में विराजमान होने के उपलक्ष्य में जहाँ एक ओर पूरे राष्ट्र में उमंग की लहर है, वहीँ दूसरी ओर छोटी काशी जयपुर शहर में हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र के सहयोग से नगर निगम ग्रेटर के साथ गौ माता के गोबर से निर्मित लाखों दीपकों का निर्माण हो रहा है। 22 जनवरी को जयपुर शहर में नगर निगम के सहयोग से विभिन्न स्थानों पर इन दीपकों का वितरण किया जाएगा। गौ पुनर्वास केंद्र के कार्यक्रम प्रबंधक रघुपति दास ने कहा कि गौशाला में कार्यरत सभी गौ पालकों द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ राम लला के एक बार पुन: अयोध्या लौटने के अवसर पर राम भक्ति में लीन होकर इन दीपकों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे राम लला के मंदिर में प्रतिष्ठित होने के इस पावन अवसर को सभी जयपुरवासी दीपावली की रूप में मना सकें।

जयपुर में आज जुटेंगे इस्लामी विद्वान

जयपुर । सुन्नी दावते इस्लामी जयपुर का एक दिवसीय इज्तिमा (इस्लामी समागम) राजधानी में गुरुवार को दो अलग-अलग समय पर आयोजित किया जाएगा। जिसमें देशभर से इस्लामी विद्वान आएंगे तथा अपने विषय पर तकरीरें (व्यायान) करेंगे। यह इज्तिमा महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग-अलग रखा गया है। इस मौके पर समाज में फैलती गलत रस्मों-रिवाज व आडम्बरों पर इस्लामी विद्वान अपनी बात रखेंगे। वहीं लोगों को एकेश्वरवाद के साथ-साथ सूफिज्म की शिक्षा से अवगत कराएंगे।

अवैध शराब बेचते दो युवक गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर नगर थाना इलाके में घूम-घूम कर अलग-अलग जगहों पर शराब बेच रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से करीब सौ से अधिक पव्वे जब्त किए गए है। पुलिस के अनुसार गोल मार्केट सर्किल जवाहर नगर में 30 वर्षीय देवकिशन एक कट्टे में शराब लेकर बेचने की फिराक में घूम रहा था। गश्त के दौरान जवाहर नगर थाने में तैनात एसआई रामकेश ने उसे पकड़ लिया। उसके पास से 46 पव्वे देशी शराब के जब्त किए गए। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर शराब सप्लायर का पता लगाने का प्रयास कर रही है। वहीं गणेश विहार विस्तार द्रव्यवती नदी के किनारे एक युवक कट्टा लेकर घूमता नजर आया। गश्त के दौरान श्याम नगर थाने में तैनात हैडकांस्टेबल रामनरेश ने उसे रोका तो वह भागने लगा। इस पर उसका पीछा कर पकड़ लिया। कट्टे को खोलकर देखा तो उसमें देशी शराब के 62 पव्वे मिले। आरोपी 24 वर्षीय अजय गणेश विहार विस्तार का रहने वाला है।